CS (MAIN) EXAM, 2010

Sl. No.426 **B–DTN–K–IJB**

HISTORY

Paper—II

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Each question is printed both in Hindi and in English.

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

Candidates should attempt Question Nos. ***1*** *and* ***5*** *which are compulsory, and any* ***three*** *of the remaining questions selecting at least* ***one*** *question from each Section.*

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है।

Section—A

(Modern India)

1. Critically evaluate the following statements in about *200* words each : 20×3=60

(a) "The educated middle class in the 19th century often found the domain of reason to be oppressive, as it implied the historical necessity of 'civilizing' colonial rule."

(b) "Railway development in India provides an interesting instance of private enterprise at public risk."

(c) "The active participation of Aruna Asaf Ali in 1942 movement symbolized the role of women in India's freedom struggle."

2. *(a)* "In terms of the administrative structure, the Government of India Act of 1858, ... meant more continuation than change." Do you agree? Substantiate. 20

(b) "Punjab's fate after Ranjit Singh was foredoomed as the impulse of neo-Victorian Imperialism was bound to overwhelm it." Elucidate. 20

(c) "The developments during 1937–1939 greatly undermined the ability of the Indian National Congress to push through the agenda of national unity." Comment. 20

खण्ड—क

(आधुनिक भारत)

1. निम्नलिखित कथनों का समालोचनापूर्वक मूल्यांकन कीजिए, जो प्रत्येक लगभग *200* शब्दों में होना चाहिए : 20×3=60

   (क) ''19वीं शताब्दी में शिक्षित मध्य वर्ग ने तर्कबुद्धि के क्षेत्र को अकसर कष्टकारी पाया क्योंकि उसका निहितार्थ औपनिवेशिक शासन के 'सभ्यीकरण' की ऐतिहासिक आवश्यकता था।''

   (ख) ''भारत में रेलवे का विकास, सार्वजनिक जोखिम पर निजी उद्यम का एक रोचक उदाहरण पेश करता है।''

   (ग) ''अरुणा आसफ अली की, 1942 के आन्दोलन में, सक्रिय सहभागिता, भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में महिलाओं की भूमिका का प्रतीकीकरण था।''

2. (क) ''प्रशासनिक संरचना की दृष्टि से, 1858 के भारत सरकार अधिनियम, ... की मनशा परिवर्तन से अधिक अविच्छिन्नता थी।'' क्या आप सहमत हैं? प्रमाणित कीजिए। 20

   (ख) ''रणजीत सिंह के पश्चात् पंजाब के भाग्य का पतन पूर्वनिर्धारित ही था, क्योंकि नव-विक्टोरियाई साम्राज्यवाद के आवेग से उसका परास्त होना अवश्यम्भावी था।'' सविस्तार समझाइए। 20

   (ग) ''1937–1939 के दौरान के घटनाक्रमों ने भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस की राष्ट्रीय एकता की अपनी निर्धारित कार्यसूची को बलपूर्वक आगे बढ़ाने की योग्यता को बड़ी मात्रा तक कमज़ोर बना दिया था।'' टिप्पणी कीजिए। 20

3. *(a)* What role did the economic ideas play in the early phase of the British rule in the shaping of land tenure policy? 30

(b) Discuss the extent to which the Indian Renaissance movement contributed towards the rise of nationalist consciousness. 30

4. *(a)* To what extent did the process of commercialization of agriculture affect the rural scene in India? 30

(b) Discuss the factors that led to the growth of Dalit consciousness and mention the major movements aimed at their empowerment. 30

Section—B

(World History)

5. Critically evaluate the following statements in about *200* words each : 20×3=60

(a) "... he (Voltaire) was living in the Age of Enlightenment .... The age itself was not enlightened."—E. Kant.

(b) "All long marches begin with small steps."

(c) "The essence of Perestroika is for people to feel they are the country's master."
—Gorbachev.

3. (क) अँग्रेज़ी शासन की आरम्भिक प्रावस्था में, भू-धृति नीति का रूप-निर्धारण करने में, आर्थिक विचारों ने क्या भूमिका निभाई थी? 30

(ख) चर्चा कीजिए कि भारत के पुनर्जागरण आन्दोलन ने किस सीमा तक राष्ट्रीय चेतना के उदय में योगदान दिया था। 30

4. (क) कृषि के वाणिज्यीकरण के प्रक्रम ने किस सीमा तक भारत में ग्रामीण परिदृश्य को प्रभावित किया था? 30

(ख) उन कारकों पर चर्चा कीजिए जिनके फलस्वरूप दलित चेतना का विकास हुआ और दलितों के सशक्तिकरण के लक्ष्य को सामने रखने वाले प्रमुख आन्दोलनों का उल्लेख कीजिए। 30

खण्ड—ख

(विश्व इतिहास)

5. निम्नलिखित कथनों का समालोचनापूर्वक मूल्यांकन कीजिए, जो प्रत्येक लगभग *200* शब्दों में होना चाहिए : 20×3=60

(क) "... वह (वॉल्टेयर) प्रबोध के युग में रह रहा था ...। स्वयं युग ही प्रबुद्ध नहीं था।"—ई० काण्ट।

(ख) "सभी लम्बे प्रयाण (मार्च) छोटे कदमों से शुरू होते हैं।"

(ग) "पेरेस्ट्रोइका का सार लोगों द्वारा यह महसूस करना है कि वे ही देश के स्वामी हैं।"—गोर्बाचोव।

6. *(a)* How far is it correct to say that every feature of American Constitution was ultimately of English origin? 20

(b) What do you understand by Imperialism? State briefly its unique features in the case of Africa. 20

(c) To what extent did Napoleon's economic war with England become his undoing? 20

7. *(a)* Critically examine the Dutch colonial policy in Indonesia. 30

(b) "Europe faced peace in 1945 politically disorganized and economically crippled." Elaborate. 30

8. *(a)* "The Eastern Question has always been an international question." Elucidate. 30

(b) Explain the circumstances leading to the emergence of Third World and analyze its impact on world affairs. 30

6. (क) यह कहना कहाँ तक सही होगा कि अमरीकी संविधान की प्रत्येक विशिष्टता अंततोगत्वा अँग्रेज़ी उद्गम की थी? 20

(ख) साम्राज्यवाद से आप क्या अर्थ निकालते हैं? अफ्रीका के मामले में उसके अद्वितीय अभिलक्षणों का संक्षेप में कथन कीजिए। 20

(ग) नेपोलियन का इंग्लैण्ड के साथ आर्थिक युद्ध किस सीमा तक उसके सर्वनाश का कारण बना? 20

7. (क) इंडोनेशिया में डच औपनिवेशिक नीति का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 30

(ख) "1945 में, राजनीतिक रूप से विसंगठित और आर्थिक रूप से अपंग यूरोप का, शान्ति का सामना हुआ था।" सविस्तार सुस्पष्ट कीजिए। 30

8. (क) "पूर्वी प्रश्न सदैव ही एक अन्तर्राष्ट्रीय प्रश्न रहा है।" सुस्पष्ट कीजिए। 30

(ख) उन परिस्थितियों को स्पष्ट कीजिए जिनके फलस्वरूप तीसरी दुनिया का उदय हुआ और विश्व मामलों पर उसके प्रभाव का विश्लेषण कीजिए। 30

★ ★ ★

B–DTN–K–IJB

इतिहास

प्रश्न-पत्र—II

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तक के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं। बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अन्त में दिए गए हैं।

Note : English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.